

भूमिधरी जमीन पर बिना मान्यता स्कूल संचालन का आरोप, डीएम से कार्रवाई की मांग



जौनपुर। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के ग्राम अमाई निवासी चंदन सिंह पुत्र परमात्मा सिंह ने जिलाधिकारी को

प्रार्थना पत्र देकर अपनी भूमिधरी जमीन पर बिना मान्यता विद्यालय संचालित किए जाने का आरोप

लगाया है। उन्होंने मामले की जांच कराकर विद्यालय संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई और अपनी भूमि को अवमुक्त कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में चंदन सिंह ने आरोप लगाया है कि ग्राम अमाई, परगना घिसुआ स्थित गाटा संख्या 1131 की भूमि पर श्रीमती नगिना देवी सेवा समिति, अमाई, मछलीशहर, जौनपुर के नाम से कक्षा 1 से 8 तक विद्यालय संचालित किया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, विद्यालय के पास आवश्यक मान्यता नहीं है। उन्होंने विद्यालय में मानकों का पालन नहीं किए जाने, अप्रशिक्षित अध्यापकों तथा पुराने वाहनों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने 12 अगस्त 2026 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जौनपुर को प्रार्थना पत्र दिया था। उनके मुताबिक जांच के बाद

विद्यालय संचालन से मना किए जाने के बावजूद विद्यालय संचालित किया जा रहा है। चंदन सिंह ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, विद्यालय संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा उनकी भूमिधरी भूमि की पैमाइश कराकर भूमि को अवमुक्त कराने के लिए उपजिलाधिकारी मछलीशहर को निर्देशित करने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के साथ उपजिलाधिकारी मछलीशहर एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए गए पूर्व प्रार्थना पत्रों की प्रतियां, खतौनी और खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी नोटिस की छायाप्रतियां संलग्न की गई हैं। यह समाचार शिकायतकर्ता चंदन सिंह द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि संबंधित विभाग की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

दिव्यांग बच्चों ने बांधा रक्षासूत्र, मनाया समावेशी रक्षाबंधन



जौनपुर। दिव्यांगों के सशक्तिकरण और सेवा के लिए समर्पित राष्ट्रीय संगठन सक्षम (समदुष्टि, क्षमताविकास एवं अनुसंधान मंडल) जिला जौनपुर (काशी प्रांत) की ओर से सुजन संस्था, सुंगुलपुर (कुल्हनामऊ) में समावेशी रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उपस्थित पदाधिकारियों एवं अतिथियों को रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर सक्षम पदाधिकारियों ने बच्चों को स्नेह, उपहार और मिष्ठान देकर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके लिए समावेशी वातावरण तैयार करने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में सक्षम के जिला अध्यक्ष डॉ. उत्तम गुप्ता, जिला सचिव विक्रांत, धीमही प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. साधना मौर्य, युवा प्रमुख किशन जी तथा सुजन संस्था के संस्थापक डॉ. संजय मिश्रा सहित संस्था की शैक्षिक टीम मौजूद रही। डॉ. संजय मिश्रा ने सक्षम संगठन के पदाधिकारियों का आभार जताया। जिला अध्यक्ष डॉ. उत्तम गुप्ता ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही रक्षाबंधन पर्व की सच्ची सार्थकता है। संगठन उनके सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

स्कूली वाहनों की जांच से संचालकों में मची खलबली



शाहगंज जौनपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने सोमवार शाम खेतासराय और शाहगंज क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अचानक हुई कार्यवाही से स्कूली वाहन संचालकों में खलबली मच गई। टीम ने बसें और वैन के साथ ई-रिवक्शा व अन्य व्यावसायिक वाहनों को रोककर दस्तावेजों के साथ सुरक्षा मानकों की पड़ताल की। यातायात उप निरीक्षक राजेश सिंह के नेतृत्व में खेतासराय और उसरहटा में पुलिस टीम ने स्कूली वाहनों के चालकों का सत्यापन किया। वाहनों की नंबर प्लेट, चालक की वर्दी, हेल्मेट, नंबर, क्षमता और ओवरलोडिंग समेत अन्य जरूरी मानकों की जांच की गई। इस दौरान कई स्कूलों की बसें और वैन भी जांच के दायरे में आईं। जांच के दौरान जिन वाहनों में चालक का सत्यापन नहीं मिला या निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चे सवार पाए गए, उनके संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चालान की कार्यवाही भी की गई। पुलिस की कार्यवाही से वाहन संचालकों में पूरे समय अफरा-तफरी का माहौल रहा। यातायात उप निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि पुलिस महानिदेशक यातायात के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया गया है। अभियान एक माह तक चलेगा। स्कूली वाहनों के साथ अन्य व्यावसायिक वाहनों की भी नियमित जांच कर सुरक्षा मानकों और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

निर्माणधीन मकान की दूसरी मंजिल से गिरा मजदूर, घायल ।



खेतासराय (जौनपुर)= नगर पंचायत खेतासराय स्थित बड़ी मस्जिद गली में मंगलवार की शाम एक निर्माणधीन दो मंजिला इमारत पर काम कर रहा मजदूर अचानक अनियंत्रित होकर नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर में चोट लग गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, बड़ी मस्जिद गली में एक भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। मंगलवार की शाम मजदूर निर्माणधीन इमारत की दूसरी मंजिल से नीचे उतर रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे जमीन पर गिर पड़ा। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। हादसे में घायल मजदूर की पहचान रामआसरे, निवासी महरौड़ा गांव के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल उसकी मदद की और उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अचानक हुए इस हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद निर्माणधीन भवन पर मौजूद अन्य मजदूरों में भी कुछ डेर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

तहसील में बैठने की जगह को लेकर अधिवक्ता और तहसीलदार आमने-सामने

अधिवक्ता के बैठने का चबूतरा ध्वस्त करने का आरोप, समिति से शिकायत

बैठने की जगह को लेकर बढ़ा विवाद, अधिवक्ता ने तहसीलदार पर लगाया मनमानी का आरोप



शाहगंज जौनपुर। तहसील शाहगंज परिसर में अधिवक्ताओं के बैठने के स्थान को लेकर विवाद सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अधिवक्ता नरेन्द्र सिंह ने तहसीलदार शाहगंज पर मनमाने रवैये का आरोप लगाते हुए अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष और महामंत्री को शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने मामले में समिति से हस्तक्षेप करते हुए उचित कार्यवाही की मांग की है। अधिवक्ता नरेन्द्र सिंह के मुताबिक वह वर्ष 2007 से विधि व्यवसाय से जुड़े हैं। वर्ष 2014 से वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अधीन विधि व्यवसाय करने के बाद पंजीकरण और सीओपी मिलने पर वर्तमान में स्वयं वकालत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तहसील परिसर में बैठने के लिए उन्होंने एक स्थान सुनिश्चित किया था। वहां चबूतरा बनवाकर कंकट डालने के बाद वह बैठकर विधिक कार्य करते थे। आरोप है कि बाद में उनके बैठने वाले स्थान पर ईंट और अन्य निर्माण सामग्री रख दी गई तथा चबूतरे को ध्वस्त कर दिया गया। अधिवक्ता ने इसे अपने सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला बताते हुए आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि तहसील परिसर में अधिवक्ताओं के लिए बैठने की व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। नरेन्द्र सिंह ने अधिवक्ता समिति से पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार के खिलाफ उचित कदम उठाने की मांग की है। साथ ही ऐसे अधिकारियों पर नियंत्रण की मांग की है, जिनकी कार्यवाही से अधिवक्ताओं के सम्मान को ठेस पहुंचती है। शिकायती पत्र के माध्यम से समिति से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया है।

मेडिकल कॉलेज की बढहाली पर सपा ने सरकार को घेरा, अमीक जामेई ने उठाए सवाल



जौनपुर । जौनपुर मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने प्रदेश सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमीक जामेई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर मेडिकल कॉलेज का मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों पहले शुरू की गई इस परियोजना को अब

तक अपेक्षित सुविधाओं और संसाधनों से पूरी तरह लैस नहीं किया जा सका है। अमीक जामेई ने कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जौनपुर में 500 बेड के मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखी थी। पोस्ट में परियोजना के लिए 50 एकड़ परिसर, 100 एमबीबीएस

तीन दिन से लापता युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

शाहगंज जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के मुज्जकिपुर गांव में तीन दिन से लापता युवक का शव मंगलवार को घर से करीब 500 मीटर दूर मिलने से सनसनी फैल गई। घास काटने गई महिला की नजर शव पर पड़ने के बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। मुज्जकिपुर गांव निवासी दीपक विश्वकर्मा तीन दिनों से लापता था। मंगलवार को एक महिला निरंकी भवन के पास घास काटने गई थी। इसी दौरान उसकी नजर वहां पड़े शव पर पड़ी। उसने तत्काल आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी। कुछ ही देर में घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलने पर खुटहन पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान मृतक के परिजनों ने फोरेंसिक टीम से जांच कराने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजन जांच पूरी होने के बाद ही शव उठाने देने की मांग पर अड़े रहे।

जशने ईद मिलादुन्नबी पर मोहम्मद असलम खान सम्मानित



जौनपुर। जशने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सोमवार को केराकत नगर के आला हजरत स्टेज, मोहल्ला सिपाह में आयोजित कार्यक्रम में पत्रकार एवं पूर्व सभासद मोहम्मद असलम खान को सम्मानित किया गया। कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान लोगों ने खुशी जताई और उत्साहवर्धन किया। कमेटी ने पत्रकारिता में सक्रिय भूमिका और सामाजिक व जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए उनके कार्यों की सराहना की। सम्मान के बाद मोहम्मद असलम खान ने आभार जताते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना उनका दायित्व है और आगे भी जनहित के मुद्दों को उठाते रहेंगे। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में मेडिकल एजेंसी संचालक की मौत, घर में मचा कोहराम



खेतासराय जौनपुर। परिवार को देर रात तक अनुराग यादव के घर लौटने की उम्मीद थी, लेकिन इंतजार के बीच रेलवे ट्रैक से आई मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर दिया। सोमवार रात करीब 10 बजे खेतासराय रेलवे स्टेशन के आउटर कासिमपुर के पास ट्रेन की चपेट में आने से 27 वर्षीय मेडिकल एजेंसी संचालक अनुराग यादव की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पत्नी मनीता समेत परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आजमाइ

जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती गांव कुशवां पकरील निवासी अनुराग यादव पुत्र रमाशंकर यादव स्थानीय बाजार में मेडिकल एजेंसी चलाते थे। सोमवार शाम वह घर से निकले थे। रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजन उनके आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी बीच उनके साथ हादसा होने की सूचना मिली। खेतासराय स्टेशन के आउटर कासिमपुर के पास रेलवे ट्रैक पर अनुराग ट्रेन की चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने

शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू की और परिजनों को घटना की जानकारी दी। करीब दो वर्ष पहले अनुराग की शादी मनीता से हुई थी। उनके डेढ़ वर्षीय जुड़वां बच्चे अर्णव और अन्या हैं। पिता की अचानक मौत से दोनों मासूमों का भविष्य भी सवालों के घेरे में आ गया है। अनुराग के पिता रमाशंकर यादव चिकित्सक बताए जाते हैं। बड़ा भाई रोहित यादव दिव्यांग है, जबकि छोटा भाई अभिषेक पढ़ाई कर रहा है। इकलौती बहन की शादी हो चुकी है। युवा बेटे की मौत से परिवार के साथ गांव में भी शोक व्याप्त है। जीआरपी प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास युवक की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही

खबरें...

क्या जौनपुर एआरटीओ कार्यालय का कथित भ्रष्टाचार 2027 के विधानसभा चुनाव में बन सकता है बड़ा राजनीतिक मुद्दा?



जौनपुर में एआरटीओ कार्यालय को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले कथित भ्रष्टाचार के आरोप अब केवल एक सरकारी विभाग की कार्यप्रणाली तक सीमित रहने के बजाय राजनीतिक बहस का विषय बन सकते हैं। सवाल यह है कि क्या किसी सरकारी विभाग के खिलाफ लंबे समय से बनी भ्रष्टाचार की कथित धारणा सरकार की छवि और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 पर भी असर डाल सकती है? लोकतंत्र में जनता का विश्वास किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है। यदि किसी सरकारी विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आती रहें और लोगों को यह महसूस होने लगे कि सरकारी शुल्क के अतिरिक्त कथित रूप से सुविधा शुल्क देना पड़ता है, तो इसका असर केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। वह व्यक्ति अपने परिवार, रिश्तेदारों और सामाजिक दायरे में अपने अनुभव साझा करता है। इस प्रकार किसी एक विभाग की कार्यप्रणाली धीरे-धीरे सरकार के प्रति जनधारणा को प्रभावित करने वाला मुद्दा बन सकती है। जौनपुर जैसे बड़े जनपद में यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि परिवहन विभाग से बड़ी संख्या में लोगों का प्रत्यक्ष संपर्क होता है। ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, परमिट, फिटनेस, टेक्स सहित अनेक कार्यों के लिए लोग एआरटीओ कार्यालय पहुंचते हैं। यदि इनमें से बड़ी संख्या में लोगों को किसी प्रकार की अनियमितता या कथित सुविधा शुल्क की शिकायत होती है, तो यह राजनीतिक दलों के लिए जनता से जुड़ा मुद्दा बन सकता है। हालांकि जौनपुर एआरटीओ कार्यालय में प्रतिवर्ष चार लाख लोग पहुंचते हैं अथवा कितने लोग कथित रूप से सुविधा शुल्क से प्रभावित होते हैं, इसका आधिकारिक और सत्यापित आंकड़ा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना आवश्यक है। इसलिए इन संख्याओं को राजनीतिक निष्कर्ष का आधार बनाने से पहले सरकारी रिकॉर्ड और स्वतंत्र जांच जरूरी है। इतिहास में बोफोर्स विवाद को अक्सर इस बात के उदाहरण के रूप में देखा जाता है कि भ्रष्टाचार का मुद्दा किस प्रकार चुनावी राजनीति को प्रभावित कर सकता है। 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 1984 के 404 सीटों के मुकाबले केवल 197 सीटें मिली थीं। बोफोर्स विवाद विपक्ष के प्रमुख राजनीतिक हमलों में शामिल था। हालांकि किसी चुनावी परिणाम को केवल एक मुद्दे का परिणाम मानना राजनीतिक विश्लेषण को अत्यधिक सरल बना देगा। यही सवाल जौनपुर के संदर्भ में भी उठता

है। क्या विपक्षी दल 2027 के विधानसभा चुनाव में एआरटीओ कार्यालय से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को चुनावी मुद्दा बनाएंगे? क्या वे इसे सरकार की जवाबदेही और प्रशासनिक पारदर्शिता से जोड़ेंगे? और क्या सत्तापक्ष इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर जनता के बीच विश्वास कायम करने की कोशिश करेगा? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जौनपुर सदर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनिधि राज्य सरकार में मंत्री हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर उठने वाले सवालों का राजनीतिक महत्व स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है। लेकिन किसी विभाग के कथित भ्रष्टाचार को सीधे किसी राजनीतिक दल की चुनावी हार से जोड़ना अभी समयपूर्व होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि शिकायतें वास्तविक हैं तो उनका समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, जवाबदेही, डिजिटल प्रक्रियाओं, दत्ताल व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई से होना चाहिए। 2027 का चुनाव अभी भविष्य की बात है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि जनता से सीधे जुड़े सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली राजनीतिक रूप से संवेदनशील होती है। यदि एआरटीओ कार्यालय से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है और व्यवस्था में सुधार दिखाई देता है तो यह सरकार के पक्ष में भी जा सकता है। इसके विपरीत यदि शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया गया और जनता में असंतोष की धारणा मजबूत होती गई, तो विपक्ष इसे चुनावी मुद्दे में बदलने का प्रयास कर सकता है। अंततः सवाल एआरटीओ कार्यालय से आगे बढ़कर शासन की विश्वसनीयता का है—क्या जनता को सरकारी सेवाएं बिना कथित सुविधा शुल्क के, पदार्थ और सम्मानजनक तरीके से मिल रही हैं? इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि यह मुद्दा केवल एक विभाग तक सीमित रहता है या 2027

अखिलेश यादव के कार्यकाल को लोग भूले नहीं हैं, जमीन पर उनके खिलाफ माहौल : ओपी राजभर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव के पीछे ए और जाति देखकर एनकाउंटर के आरोप पर ओम प्रकाश राजभर ने आईएनएस के बातचीत के दौरान कहा कि पीछे में से बातचीत और मुस्लिम हैं। अखिलेश यादव पिछले पांच वर्षों में सरकार में थे, उन्हें अपने गैरप्रेमान में झंझकर देखना चाहिए। उमयोगी सरकार में आयोग श्रवद आयोगी बन गया था। हाईकोर्ट की लाताड़ के बाद यादव आयोग को हटना सोम प्रकाश राजभर ने कहा कि ये लोग सत्ता के लिए बैलखाल हुए हैं। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि



प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी के सत्ता देने के लिए अखिलेश यादव काम करते हैं। वे यादव और मुस्लिमों को एक करते हैं। उनके एम-वाई का मतलब मोदी और योगी है। योगी और मोदी के ताकत देने के लिए वे बोलते हैं। सपना मुख्यालय में चलाए गए एआई वीडियो को लेकर ओम प्रकाश राजभर ने कहा

नाच नहीं हो रहा है। काग्रिम नेता रहनु गांधी को खिलाफ एफएमआई आहोने को लेखर ओम प्रकाश राजभर ने कहा विरोध कानून से चल रहा है। अखिलेशले यादव की ओर से रहलुत गांधी क सार्थकन करणे को लेखर ओपी राजभर कहा कि अखिलेश यादव के दिमाग में सिर्फ विरोध करना भरा है और विषय का काम ही विरोध करना है, तो वे विषय काम करते हैं। सरकार अपना काम कर रही है। उनके फिजूल बयानबाजी से सरकार का कोई मतलब नहीं है। सपने एएमएलसी बाल बिहारी यादव ने कहा विवादित ताल पर ओपी राजभर ने कहा कि उन लोगों को प्रयाशी नहीं मिल रहे हैं, अब वे कुत्ता लड़ाएंगे। ये लोग मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। ये लोग मसदाताओं का अपमान कर रहे हैं। अखिलेश यादव के शपीडीएस के

कहा कि अखिलेश यादव के आरोप निराधार हैं। उनके शपीडोएफा का असर फुल फॉर्म शपीट देगा अहीररह है। मौलाना साजिद रशीदी के शहस्तामी कानूननु वल्ले बयान पर ओम प्रकाश राजभर कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पहले उनको अपने धर्म में रोकना चाहिए। अगर उनको कानून बनाना हो पाकिस्तान निकल जाएं। वहीं जाकर कानून बनाएं। शह कानून बना हुआ और कानून का राज है। कानून से ही देश चल रहा है। उनके कानून की जरूरत नहीं है। ओम प्रकाश राजभर ने सोशलिस्टीया प्लेटफॉर्म शकसश् पर पोस्ट कर लिया, 'अखिलेश भाई! कब तक हवाबाजी चलीती रहेगी। क्या आप कमरे में बैठकर पसंती करके चुनाव लड़ेंगे जमीन पर आएँ महाराज। आइए दो

थी हो जाए। एकतरफ चुनाव में म
नहीं आता है। आप सभी जनता व
सामना करने में क्यों घबरा रहे हैं? पु
पुण याद आ जाते हैं क्या? आपको प
है कि अपने कार्यकाल से आप
कार्यकर्ताओं के घर की महिलाओं
भी रूठ लगती है। यकीन न हो तो कि
कार्यकर्ता के घर की महिला से बात
लीजिएगा। ओपी राजभर ने अ
लिखा, प्यंदा, अपराध, भ्रष्टाचार, लू
खसोते, महिलाओं के खिलाफ अपरा
के ऐसे अनसुलझाए हैं कि जिन्हें य
करके रूठ काफ़ी जाती है, लगता है।

2012-2017 के बीच उत्तर प्रदेश
सरकार थी ही नहीं। टिक्टर, एसी, पी
लेकर रहिए भाई। जमीन पर आप
लेकर बहुत खराब माहौल है। आप
स्वजातीय और धर्म विशेष के क
उत्पाती लोगों को छोड़ दें

जीडीपी के आंकड़ों ने विपक्ष की आर्थिक बदहाली वाली स्क्रिप्ट बदली: पंकज चौधरी

लवजुन । देश की अर्थव्यवस्था को लेकर विपक्ष के लगातार सवालों के बीच वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने गंभीरता से गहनवार को पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों को भारत की मजबूत आर्थिक विकास यात्रा का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर हर मंच से मातम मानता है, लेकिन जीडीपी के आंकड़ों ने उसकी पूरी राजनीतिक स्क्रिप्ट बदल दी है। पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण की देखरेख में पहली तिमाही में देश की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह आंकड़ा भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती और लगातार जारी विकास और तस्वीर पेश करता है। उन्होंने कहा, पूँर्निर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 10 प्रतिशत की रफ़्तार से वृद्धि हो रही है। ये आंकड़े बताते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है और देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।एच वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत को रैड्डेड इकॉनमीशू बताने वाले नेताओं को अब देश की आर्थिक तरक्की से भी परेशानी होगी। विपक्ष की राजनीति निराशा पर चलती है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार विकास पर चलती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष आंकड़ों से नाराज़ हो सकता है, लेकिन देश की जनता भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था से खुश है। भारत की विकास यात्रा लगातार जारी है और विपक्ष चाहे जितना रोस मचा ले, जीडीपी का स्कोरबोर्ड प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के अनवरत विकास की कहानी बता रहा है। पंकज चौधरी ने कहा कि मजबूत जीडीपी वृद्धि न केवल अर्थव्यवस्था की गति को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का फोकस विकास, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने पर है और इसके परिणाम अब आंकड़ों में भी दिखाई दे रहे हैं।

आलू किसानों तक समय पर पहुंचे योजनाओं का लाभ-दिनेश प्रताप

लखनऊ 1 सितंबर। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वर्ण प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने औद्योगिक विकास कार्यक्रमों एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। उद्यान मंत्री ने उत्तर प्रदेश की 1 द्वितीय डोर्टर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के अंगरंग उद्यान विभाग के विनिर्धारित लक्ष्यों को अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने हाइटेक नस्लों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके और औद्योगिक फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो। उन्होंने किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से आलू विकास की नवीन योजनाओं-बामाशाह भाव स्थिरता कोष एवं शीतगुहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार में छूट का जमीनी स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। इन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक आलू किसानों तक पहुंचाई जाए ताकि किसान समय रहते योजनाओं का लाभ उठा सकें। उद्यान मंत्री ने प्रदेश के शीतगुहों में भंडारित आलू की समयबद्ध एवं सुचारु निकासी के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। आलू का निकासी व्यवस्थित ढंग से होने से किसानों को अपने उत्पाद के विपणन के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे तथा उन्हें ज़रूरत मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आलू किसानों को बेहतर बाजार एवं अधिकतम लाभ उपलब्ध करने के लिए अन्य राज्यों में आलू के विपणन बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने अन्य प्रदेशों के आलू व्यापारियों के साथ यथाशीघ्र सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि किसानों और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए आलू के लिए पत्र-बाजार विकसित किए जा सकें। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने हाफेड संस्था की कार्यप्रणाली को और अधिक गतिशील एवं लाभकारी बनाने के लिए विषय विशेषज्ञों की सहায়ता से विस्तृत एवं आधुनिक प्लानिंग तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संस्था की कार्यप्रणाली को बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत किया जाए, जिससे किसानों को बेहतर विपणन व्यवस्था का लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में विशेष सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, दिनेशक उद्यान, संयुक्त निदेशक उद्यान संयुक्त निदेशक शकभाजी, संयुक्त निदेशक मुख्यालय सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दे रही प्रदेश सरकार

लखनऊ 1 सितम्बर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश की बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विकासित उत्तर प्रदेश और विकासित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों की व्यापक जानकारी उद्यमियों को पहुंचाने के लिए प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक उद्यमियों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए, ताकि किसानों की उपज को बेहतर बाजार एवं उचित मूल्य मिल सके तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें। अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित एग्जल्ट समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोर्टल पर प्राप्त नवीन निवेश प्रस्तावों का परीक्षण किया गया। तथा समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में 12 नवीन आवेदनों पर विचार हुआ।

कि जिसका जो कल्चर होता है, वह उसी को जानता है। बतौर मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सैफ़ में नाच देखते थे और मुजफ्फर नगर दी में जल रहा था, लोग आपस में कट-मर रहे थे, लेकिन उन्हें नाच ही दिखाई दे रहा है। इसके अलावा उनको कुछ दिखाई नहीं देता है। उनका सरकार जानने के बाद 9 वर्ष से सैफ़ में

अखिलेश यादव के श्मीडीएश् के जमीन पर आइए महाराज। आइए दो दो उत्पाती लोगों को छेड़ दें

का फिर हमला, बोले 'कुछ तो गड़बड़ है', बताया 'लखनऊ डिस्ट्रक्शन अथॉरिटी'



कमाई ये कमीशनखधेर भाजपा
और उनके भ्रष्ट अधिकारी ख
जाएंगे। उन्होंने आगे लिखा वि
वैसे एलडीए के इन जानियों
अधिकारियों से ये पूछा जाए वि
वया कोई व्यापारी घाटे का सोच
करेगा मतलब भाजपा और उन्
नलबद्ध अधिकारियों को कमीश
भी खिलाएगा और घाटा भ

उठाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि अब तो जनता एलडीए से पूछ रहा है रु इस रिपोर्ट को बनाने के लिए आपको कितना परसेंट कमीशन मिला? एलडीए अपनी फुल पावर बलदकर, ये कर ले रहे 'लखनऊ डिस्ट्रिक्शन अथॉरिटी'। जनता पूछ रही है कि मुख्यमंत्री जी आप उनके सरकारी विभाग-महक

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 10 सितंबर तक बढ़ी

संगठनात्मक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार ने खरीफ 2026 मौसम के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं चयनित जनपदों में संचालित पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत ऋणी कृषकों के फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त से बढ़ाकर 10 सितंबर कर दी है। प्रदेश

सरकार द्वारा किए गए अनुरोध को स्वीकार करते हुए केंद्र सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों के ब्रह्मी कृषकों को राहत दी है। कृषि मंत्री ने पात्र किसानों से आह्वान किया है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसमीय जोखिमों से सुरक्षित रखें। जनपदों में प्राकृतिक आपदा एवं प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण फसल नुकसान से किसानों की

आय को स्थिरता प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजनाएं संचालित की जा रही हैं। शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में भी इन योजनाओं को पूर्ववत् लागू किया गया है। तिथि विस्तार के सूचना प्रदेश के सभी बैंकों और संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक पात्र ऋणी कृषकों को आच्छादित कर उन्हें आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

जरिए किसानों को व्यापक आर्थिक संकलन मिल रहा है। व 2017-18 से 2025-26 तक प्रदेश के 69.22 लाख लाभार्थ किसानों को कुल 6,119.93 करोड़ रुपये का क्षतिपूर्ति दी चुकी है। खरीफ 2025 में 20.63 लाख बीमत्त कृषकों से 2.72 लाख किसानों को 808.56 करोड़ रुपये तथा रब 2025-26 में 1.67 लाख किसानों को 134.60 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। इस संबध में ऋणी

यूपी राज्य महिला आयोग की सदस्य ने अखिलेश पर निशाना साधा, बोलीं-वे अपनी पत्नी के लिए एक भी शब्द नहीं बोल पाए

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्य ने अखिलेश यादव के फर्जी और जाति-आधारित एकांकदंठर के आरोप चुनाव जीतने पर महिलाओं के 40,000 रुपए देने का वादा और एसटीएफ के खिलाफ अखिलेश की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए आईएनएस से प्रियंका मौर्य ने कहा, महिलाओं के सम्मान के बजावट का क्रम रहा है? अखिलेश यादव? जो अपनी पत्नी के लिए एक शब्द भी नहीं बोल सकते, जो अपनी पत्नी के सम्मान के लिए तब खड़े नहीं हो सकते जब कोई मौलाना आवर उनकी पत्नी के बारे में बेतुकी बातें करता है? वे चुपचाप बैठे रहते हैं, जैसे मुंह पर ताला लगा हो। वे 40,000 रुपए देने की बात करते हैं, 40,000 रुपए मरना दीजिए, लेकिन महिलाओं के सम्मान और बराबरी का अधिकार मिला चाहिए। प्रियंका मौर्य ने कहा, भोदी की सरकार में हैं महिलाओं को सम्मान मिल रहा है आज महिलाओं से सलाह ली जा रही है, उनके अधिकारों पर बात हो रही है और संसद व विधानसभाओं में महिलाओं की बराबर भागीदारी पर चर्चा हो रही है। महिलाएं चर्चा का विषय बन गई हैं कि महिलाओं जिस भी पक्ष को वोट देंगी, वह पार्टी सरकार बनाएगी। सप



एमएलसी लालबिहारी यादव ने बयान पर प्रियंका मोर्य ने कहा पद्मजागदीश पार्टी के नेता कह रहे हैं कि अगर कुत्ते के गले में भी पतवार बांध दिया जाए, तो उसे भी जिताना होगा। क्या उनकी पार्टी के सभी लोग इसी श्रेणी में आते हैं? अगर वे किसी कुत्ते को टैटक देते हैं और उसे जिता भी देते हैं, तो क्या वह कुत्ता जनता का विकास करेगा और महिलाओं को 40,000 रुपए दोगे? जनता सब कुछ समझेगी, सुनेगी। परखेगी और सही समय पर जवाब बताएगी। सत्ता में आने के लिए बेतक और अखिलेश यादव इस बार पूरी तरह से खत्म हो जाएंगे। उन्होंने कहा पद्मजागदीश यादव कहते हैं कि जातिवाद हो रहा है और जाति देखकर एनकाउंटर किए जा रहे हैं तो सबसे पहले, मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहती हूँ। शिवपाल यादव ने पिछले दिनों कहा

था कि जब सत्ता में आये तो आजम को गृह मंत्री बनाये। अपराधियों को संरक्षण देने वाले सभी लोग समाजवादी पार्टी के लोग हैं। ईसीएफ, जो एनकाउंटर कर रहे हैं, उनके बारे में कृपया उनके इतिहास देखें। सभी को यह देखना चाहिए कि एनकाउंटर पूरी तरह से सही थे। अपराधियों का हाथ एनकाउंटर किया जा रहा है। अखिलेश यादव के पीडीए के लेकर प्रियंका मोयन ने कहा, एन (अखिलेश यादव) पूरी तरह कम्यूज्ड हैं। कब व पीडीए के लिए मतलब निकालते हैं, तो कथ एएसटीएफ का दूसरा मतलब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उनकी पूरी पार्टी इस बात के लिए कम्यूज्ड है कि यादव का फुल और, और वे बस हर शब्द का फुल फॉर्म बनाने में लगे हुए हैं। इन गुंडों को जरा भी शर्म नहीं आती! जिन्होंने

सोच और नजरिए के साथ उन्हें उत्तर प्रदेश चलाया, वे चाहते हैं कि उनका दौर वापस आ जाए। वे बुरा तरह बेचौन हैं उनके दिलों-दिमाग में बस यही बात है कि सत्ता में आने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, करें। एफ़ ऑल इंडिया इन्फ़र्मीयरसिशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी पर उत्तर प्रदेश सरकार महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मोर्य ने कहा, फर्कई इस्लामिक देश नहीं बल्कि मुसलमानों का देश है। वहां महिलाएं कितना आज्ञाकारी महसूस करती हैं? आए दिन उन्हें महिलाओं पर कितने अत्याचार होते हैं? अगर आपको हिंदुस्तान में रहना है, तो आपको कहां के सिव्हीयन अनुसूच रही रहना होगा। हिंदुस्तान यह सब झामा और अतंकवादी जैसी सोच नहीं चलेगी, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है। देश के प्रमुखी शेख अबूबकर अहमद वरुण ने उसे महिलाओं को लेकर बयान दिए गए बयान पर प्रियंका मोर्य ने कहा, यह हिंदुस्तान है और हिंदुस्तान सिव्हीयन अनुसूच चलता है। सिव्हीयन संहिता नहीं महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार और हक मिलने चाहिए। इसलिए जो लोग इस तरह के बयान दे रहे हैं, उनकी सोच पूरी तरह से अतंकवादियों जैसी है, और इसीलिए महिलाओं के प्रति उनके धर्म इतनी गंदी सोच है। उनके धर्म महिलाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार होता है, उससे साफ है कि उनके धर्म पूरी तरह से अव्यवस्था है, क्योंकि उत्पीड़न के सबसे ज्यादा मामलों में उन्होंने के धर्म से आते हैं।

यूपीपीईटी-2026 : अभ्यर्थी 7 सितंबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ 1 सितंबर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यूपीएसएसएससी में प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2026 यानि बीपीईटी-2026 के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। आयोग ने पीईटी-2026 के लिए पंजीकरण, शुल्क जमा करने और ऑनलाइन आवेदन पत्र सबमिट करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर से बढ़ाकर 7 सितंबर कर दी है। आयोग की ओर से सूचना जारी कर दी गई है। जारी पत्र के अनुसार प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2026 पीईटी-2026 का विज्ञापन 1 अगस्त को प्रकाशित किया गया था। इसके तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 अगस्त से शुरू हुई थी। पहले आवेदन, शुल्क जमा करने और ऑनलाइन आवेदन पत्र सबमिट करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर निर्धारित की गई थी। अब आयोग ने अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अवसर देते हुए इस अंतिम तिथि को 7 सितंबर तक विस्तारित कर दिया है। नई व्यवस्था के अनुसार पीईटी में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थी अब 7 सितंबर तक पंजीकरण कर सकते हैं, निर्धारित आवेदन शुल्क जमा कर सकते हैं और ऑनलाइन आवेदन पत्र सबमिट कर सकते हैं। इससे उन अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश निर्धारित समय सीमा में आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि शुल्क समायोजन एवं आवेदन पत्र में संशोधन की अंतिम तिथि 8 सितंबर हो रहेगी। अभ्यर्थियों को आवेदन सबमिट करने के बाद यदि निर्धारित प्रावधानों के तहत किसी प्रकार का संशोधन करना है तो उसके लिए 8 सितंबर तक का समय रहेगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन की नई समय सीमा का ध्यान रखते हुए प्रक्रिया पूरी करें और अंतिम समय का इंतजार न करें।

गन्ने के खेत से विदेशी बाजार तक पहुंची यूपी की एक्सपोर्ट चेन, निर्यात नीति ने बदली तस्वीर

लखनऊ 1 सितम्बर। उत्तर प्रदेश में निर्यात की बढ़ती रफ्तार केवल विदेशी बाजारों तक पहुंचने वाली बोतलों और उत्पादों की कहानी नहीं रह गई है। इसकी शुरुआत गन्ने के खेत, शीरा और अनाज से होकर उद्योगों तक पहुंच रही है और यहां से पैकेजिंग, भंडारण व परिवहन के रास्ते विदेशी बाजार तक जा रही है। आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि निर्यात में वृद्धि का अस्पर केवल आबकारी इकाइयों तक सीमित नहीं है। उद्योग की पछिल्ली कड़ई गन्ना, शीरा और अनाज जैसे कृषि उत्पादों से जुड़ी है, जबकि आगे कांच की बोतल, पैकेजिंग, ढक्कन, लेबलिंग, भंडारण और परिवहन जैसे अनेक क्षेत्र जुड़े हैं। उत्पादन और निर्यात बढ़ने के साथ इन सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं। इस तरह निर्यात नीति ने खेत से लेकर फैक्ट्री और फैक्ट्री से विदेशी बाजार तक यूपी की एक व्यापक एक्सपोर्ट चैनल को गति देने का काम किया है। योगी सरकार की विवर्णीय आबकारी नीति नीति 2026-27 की प्रथम तिमाही अप्रैल-जून में प्रवेश के आबकारी निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 45.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि इसी अवधि में राष्ट्रीय वृद्धि 18.3 प्रतिशत रही - इस तरह प्रदेश की वृद्धि राष्ट्रीय औसत की दोगुनी से भी अधिक रही। वहीं मात्रा की दृष्टि से प्रदेश का निर्यात 163 प्रतिशत बढ़ा। सबसे अहम उपलब्धि यह रही कि निर्यात में करीब 39.9 लाख डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि दर्ज की। निर्यात की इस बढ़ती श्रृंखला में कृषि उत्पादों की भूमिका भी अहम है। वस्ती से 25 हजार कुंतल शीरा का निर्यात किया गया, जिससे करीब पांच लाख अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई। शीरा भिन्न शुल्क वर्गीकरण में आता है, इसलिए यह अर्जन उपरोक्त आंकड़ों से अतिरिक्त है। यानी खेतों में तैयार होने वाले कृषि उत्पाद आब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रसंस्करण के बाद सीधे वैश्विक बाजार का हिस्सा बन रहे हैं। निर्यात बढ़ने के साथ अप्रैल-जुलाई 2026 के मध्य यूपी की इकाइयों ने अन्य राज्यों को भी पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1.64 करोड़ अतिरिक्त बोतलों भेजीं, जो 45.7 प्रतिशत की वृद्धि है। निर्यात की बढ़ती संभावनाओं ने प्रदेश में नए निवेश के साथ पुरानी औद्योगिक क्षमता को भी सक्रिय किया है। उताव में यूनाइटेड बूअर्रीज और हरोइंग में माउंट एवरेस्ट बूअर्रीज नई इकाइयां स्थापित कर रही हैं। फर्गुखाबार में वुडफेकर ग्रीनफ्री यूएफ्टीएस ने इकाई स्थापित की है। वहीं एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स ने मुसादाबार की बंफ पड़ी इकाई को दोबारा शुरू किया है। गोरखपुर की कियान डिस्टिलरी ने एथेनॉल उत्पादन के साथ पंचे आसवनी और बुअर्री के लिए भी आवेदन फॉर्म विभागीय आंकड़ों के अनुसार, रैंडिको खेतान भी अन्य राज्यों से अपने सीतापुर और रामपुर संयंत्रों में निर्यात उत्पादन स्थानांतरित कर रही है। अप्रैल-जून में देश से करीब 10.17 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आबकारी निर्यात हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 127.8 लाख डॉलर रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 87.9 लाख डॉलर था। महज एक साल में प्रदेश ने करीब 39.9 लाख डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि हासिल की। राष्ट्रीय निर्यात में यूपी की हिस्सेदारी भी 10.2 प्रतिशत से बढ़कर 12.6 प्रतिशत हो गई और प्रदेश महाराष्ट्र एवं पंजाब के बाद देश में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश ने तिमाही के प्रत्येक माह में वृद्धि दर्ज की।

मथुरा में जन्माष्टमी पर्व को भव्य और दिल्य बनाने की तैयारी

संस्कृत-11 संस्तरभूमध्यमनो योगी आदिनाथ को मशा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में जन्माष्टमी पर्व को भव्य और दिव्य स्वरूप देने के लिए तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। मथुरा इस बार जन्माष्टमी पर श्रद्धा, भक्ति के साथ आधुनिक तकनीक के अनूठे संगम की साक्षी बन चुकी होगी। इस अवसर पर जहाँ देश-पदेश से आने वाले श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होंगे, वहीं अनेक प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से भक्तियम माहौल को और भजने बनाएँ। पहली बार 500 ड्रोन के जरिए आसमान में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी विभिन्न लीलाओं को जीवंत किया जाएगा। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सीईओ लक्ष्मी नारायणन ने बताया कि इस बार ड्रोन शो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा, जो चार संतों को रात करीब नौ बजे से शुरू होगा। यह शो लगभग एक घंटे तक चलेगा। इस दौरान 500 ड्रोन एक साथ आसमान में उड़ान भरेगे और अलग-अलग आकृतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म तथा उनकी लीलाओं से जुड़े दृश्य प्रदर्शित करेंगे। ड्रोन शो की खास बात यह होगी कि आसमान में बने वाली कृष्णलीला की आकृतियाँ जन्मभूमि के आसपास करीब तीन से चार किलोमीटर की दूरी तक दिखाई दे सकेंगी। इससे श्रीकृष्ण जन्मभूमि और उसके आसपास मौजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को एक साथ इस अनूठे आयोजन का साक्षी बनने का अवसर मिलेगा। इससे पहले 2 संस्तर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे, जो 4 संस्तर तक चलेँगे। यह साथ ही कार्यक्रम डैमियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 2 संस्तर को दोपहर तीन बजे उद्घाटन और दीप प्रज्वलन के साथ होगी। इसके बाद दोपहर 3:10 से 3:15 बजे तक श्याम जी शंख वादन करेंगे। शाम 4:15 बजे से भारत भूषण भजन, कीर्तन और लोकगायन की प्रस्तुति होगी। शाम 6:15 से 7:40 बजे तक गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी की नृत्य के प्रस्तुत से 'मुदिरया प्रेम एवं नंदोत्सव' की झांकी गायन और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद शाम 7 से 9 बजे तक श्रुति अनंदिता वर्मा के निर्देशन में अरुण वर्मा, कमला बैरवा, निष्ठा शर्मा, रातीगा खान और सम्राट कुमार कृष्णा कॉन्सर्ट डिबोशनल म्यूजिकल प्रस्तुति देंगे। इस प्रस्तुति में भक्ति संगीत के साथ आधुनिक संगीत का भी समावेश होगा। तीन संस्तर को शाम 4 से 5 बजे तक देश शर्मा भजन गायन करेंगे। इसके बाद शाम 5 से 7 बजे तक कृष्णा सागर कलेक्टिव की भजन जेमिंग होगी। शाम 6:15 से 7:40 बजे तक गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी की ओर से 'मुदिरया प्रेम एवं नंदोत्सव' की झांकी गायन और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। शाम 7 से 9 बजे तक भी कई प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। चार संस्तर को शाम 5 से 7 बजे तक हार्टफुलनेस फाउंडेशन की प्रस्तुति होगी। शाम 7 से 9 बजे तक प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संस्था आयोजित होगी। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान शहर में पांच बड़े और 21 छोटे मंच भी बनाए जाएँगे। इन मंचों पर ब्रज के कलाकार अपनी लोककला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए हैं।

सम्पादकीय

स्वातंत्र्यन और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में निरंतर पहल

2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप सदैव याद किया जाएगा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान मातृशक्ति के सम्मान और नारी शक्ति के प्रति आदर की परंपरा से जुड़ी हुई है। मां दत्तेश्वरी, मां बम्तेश्वरी, मां महामाया और मां चंद्रहासिनी की आस्था से लेकर माता कोशल्या की धरती तक, छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति सदैव सामाजिक जीवन के केंद्र में रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और स्वावलंबन की प्रार्थमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाया जाना इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के 30 माह के कार्यकाल में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। योजना के अंतर्गत प्रदेश की करीब 68 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ परिवार के आर्थिक निर्णयों में अधिक भागीदारी का अवसर मिल रहा है। रक्षाबंधन से पहले बहनों को आर्थिक संबल रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राज्य सरकार ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि का अंतरण किया। 25 अगस्त को बालोद जिले में आयोजित कार्यक्रम में करीब 68 लाख महिलाओं के बैंक खातों में लगभग 631 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश की माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त बनें, अपने छोटे-बड़े निर्णय स्वयं ले सकें और अपने त्योहारों को पूरे उत्साह एवं सम्मान के साथ मना सकें। रक्षाबंधन से पहले खातों में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों में सरकार की सहभागिता का संदेश भी लेकर आई। %स्नेह की डोर' कार्यक्रम में दिखा आत्मीयता और सम्मान का भाव विगत दिनों रक्षाबंधन के अवसर पर रायपुर में आयोजित %स्नेह की डोर' कार्यक्रम में स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीर्घियों ने केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधे। कार्यक्रम में सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव दिखाई दिया। कार्यक्रम का मावुक क्षण उस समय आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल लक्षिार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि %राखी का यह धागा भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त करने के लिए सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है। अनेक जवानों ने राष्ट्र और प्रदेश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।% मुख्यमंत्री ने कहा कि %नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ प्रदेश की बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। सरकार का प्रयास है कि नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग न उजड़े, किसी मां को अपना बेटा न खोना पड़े और किसी बहन को अपने भाई की सुरक्षा की चिंता न सताए।% महिला स्व-सहायता समूहों से बढ़ा आत्मनिर्भरता का दायरा राज्य में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रदेश में 2 लाख 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार और आय के स्थायी साधनों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है। महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं स्थानीय स्तर पर विभिन्न उत्पादों का निर्माण एवं विपणन कर रही हैं। इससे उन्हें आय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे परिवार के साथ-साथ गांव के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। प्रदेशरा्य से मिला मुख्यमंत्री को बहनों का स्नेह महतारी वंदन योजना की राशि रक्षाबंधन से पहले प्राप्त होने पर प्रदेश के विभिन्न जिलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सुकमा से कोरिया और राजनांदगांव से रायगढ़ तक प्रदेश के विभिन्न अंचलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति स्नेह और विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें बड़े भाई के रूप में सम्मान दिया। महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना से उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिल रही है। आर्थिक सहायता ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया है और परिवार की आवश्यकताओं के लिए उन्हें अधिक सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की नारी शक्ति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान, स्वावलंबन और समृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना, महिला स्व-सहायता समूहों और लखपति दीदी जैसे प्रयासों से छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के खातों में पहुंची सहायता राशि ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है।

विचार विमर्श

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव न तो रह होगा और न इसे दोबारा कराने के बारे में कोई सोचेगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जो पूछ वह अपने आप में बड़ी बात है। सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से पूछा कि %क्या वह बंगाल में नए सिरे से चुनाव कराने का आदेश दे सकता है?’ चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के दौरान लाखों लोगों के नाम काटे जाने के मामले में सुनवाई करते हुए यह सवाल पूछा और उसके बाद अदालत ने विधानसभा सीटों की हार जीत के अंतर सहित दूसरी कई चीजों का ब्योरा दाखिल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान तुणमूल कांग्रेस के वकील ने 31 सीटों का ब्योरा दिया और कहा कि उन सीटों पर भाजपा की जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोट से ज्यादा है। मिसाल के तौर पर विधानसभा क्षेत्र संख्या 145 यानी दक्षिण 24 परगना की सताछि़या सीट पर भाजपा सिर्फ 401 वोट से जीती, जबकि वहां 8,785 वोट कटे थे। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट में चल रहा क्या का अंत नतीजा क्या निकलेगा यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। चुनाव तो दोबारा नहीं होंगे। लेकिन यह बहुत गंभीर मामला है। पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि एसआईआर के दौरान मनमाने तरीके से नाम काटने का चुनाव नतीजों पर असर हुआ है। इसका कारण सिर्फ यह नहीं है कि

भाजपा की जीती 31 सीटें ऐसी हैं, जहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोट से कम है। ऐसी बहुत सी सीटें तृणमूल कांग्रेस ने भी जीती हैं। इसलिए एसआईआर के असर का आकलन करने का यह एकमात्र आधार नहीं हो सकता है। इसके दूसरे कई आधार हैं, जो सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान सामने आ रहे आंकड़ों में दिख रहे हैं। असल में सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर सुनवाई के दौरान कुछ बहुत दिलचस्प आंकड़े सामने आए। इसमें सबसे दिलचस्प आंकड़ा तार्किक विसंगति के आधार पर नाम काटने का है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान एक तार्किक विसंगति की श्रेणी बनाई थी, जिसके तहत 27 लाख से ज्यादा लोगों के नाम काटे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इन सब लोगों की सुनवाई के लिए न्यायाधिकरण बनाने का आदेश दिया था और उस आदेश पर 19 न्यायाधिकरण बनाए गए थे। तार्किक विसंगति वाले 27 लाख लोगों के अलावा 11 लाख अन्य लोगों ने भी बाद में इन न्यायाधिकरणों के सामने अपील दायर की और नाम काटे जाने के फैसले का विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार, 25 अगस्त को हुई सुनवाई में पता चला कि अभी तक सिर्फ 83 हजार नामों की सुनवाई न्यायाधिकरणों में हुई है। इसकी रफ्तार तो निराश करने वाली है लेकिन नतीजे हैरान करने वाले हैं। जिन 83 हजार लोगों के दस्तावेज जांचे गए और आपत्ति सुनी गई उनमें से 75,443 लोगों की आपत्ति सही

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौकाया

प्रह्लाद सबनानी । वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। दिनांक 31 अगस्त 2026 को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचैम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में

बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दरयंत्री स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के युवओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनीयत है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास में पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखमें में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक



पाई गई और न्यायाधिकरणों ने उनका नाम मतदाता सूची में शामिल करने का आदेश दिया। सोचें, यह कितनी बड़ी बात है! अपील करने वाले लगभग 90 फीसदी लोगों की आपत्ति जायज है। इसका हिसाब लगाएं तो लगभग 34 लाख लोगों के नाम बिना किसी आधार के काट कर उनको मताधिकार से वंचित कर दिया गया। यह ध्यान रखने की बात है कि चुनाव जीतने वाली भाजपा और हारने वाली तृणमूल कांग्रेस के बीच 31 लाख वोट का अंतर है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण कोई नई बात नहीं है और न कोई गैरजरूरी एक्ससाइज है। ऐसा होना चाहिए और निश्चित रूप से %एक्सैट, शिफ्टेड, डेड और डुल्कीट' इन चार श्रेणियों के लोगों के नाम कटने चाहिए। सभी राज्यों में इन चार आधारों पर नाम कट रहे हैं और उसमें जिसको आपत्ति होती है वह अपनी आपत्ति दर्ज कराता है, दस्तावेज पेश करता है और सुधार कराता है। लेकिन चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति की एक अलग श्रेणी बना दी और उसमें 27 लाख से ज्यादा नाम काट दिए। हकीकत यह है कि नाम काटने के लिए ओ तार्किक विसंगतियां बताई गई हैं वो बेहद अतार्किक हैं तभी जिनके नाम कटे हैं वे दस्तावेज लेकर न्यायाधिकरण के सामने पेश हो रहे हैं और अपना नाम मतदाता

में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजीनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का झंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई।

विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। जेन-जी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुड़ने पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे धुवीकरण की मौजूदा सूत्रत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा-विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोधी खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इक्का-सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल का ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढ़ने का काम करने लगे हैं। भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन-पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया- खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में जेन-जी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म-मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। जेन-जी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ %विश्व गुरु' की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी %मेक इन इंडिया', %नया भारत', %देश बदल रहा है', %अमृत काल', %विकसित भारत' जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढ़ने के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब %ससंधारा' जैसे नए नैटैवरि गढ़ कर नहीं दिया जा सकता।

मेघ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी, आपके साथ कुछ नए क्लाइंट भी जुड़ेंगे। आज आपके घर में नन्हें मेहमान का आगमन होगा, जिससे आपके दायित्व जीवन में जिम्मेदारी आएगी। आज ऑफिस में बॉस आपको किसी प्रोजेक्ट पर काम करने को बोल सकते हैं, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। इस राशि के सरकारी नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आज आपको लंबे समय से चल रही किसी शारीरिक समस्या से मुक्ति मिलेगी। शुभ रंग= नीला शुभ अंक= 5 वृष राशि- आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करेंगे, जिससे आपकी हेल्थ अच्छी रहेगी। आज आपके दायित्व जीवन में जिम्मेदारी आएगा। आज आप संयम और

धैर्य के साथ काम करेंगे तो सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी, भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। आज आप कोई नई भाषा सीखने के बारे में विचार करेंगे, जिसका लाभ आपको नौकरी में देखने को मिलेगा। आज आप कंस्ट्रक्शन से जुड़ा काम शुरू करवाने को लेकर विचार कर सकते हैं। शुभ रंग= सुन्हरा शुभ अंक= 3 मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप किसी ऐसे काम की योजना बनाएंगे, जिसके माध्यम से बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आज बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर कर सकते हैं, उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी, जिसमें आपका सहयोग कारगर साबित होगा। इस राशि के लेखन कार्य से जुड़े व्यक्ति अपनी पुस्तक को पब्लिश कराने का विचार कर सकते हैं। आज आपको स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा उलझन से बचने की जरूरत है, सब ठीक रहेगा।

शुभ रंग= इंडिगो शुभ अंक= 2 कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप नए बिजनेस को लेकर कुछ योजनाएं बनाएंगे, जिसमें आप किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं। इस राशि की महिलाएं घर से ही किसी काम की शुरुआत कर सकती हैं, जहां आप परिवार का ध्यान भी रख पाएंगी। आज संतान को सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न होगा और आप इस खुशी को अपने करीबियों के साथ सेलिब्रेट करेंगे। आज आपका शुकाव आध्यात्म की तरफ थोड़ा ज्यादा रहेगा, जिससे आपका अशांत मन शांत होगा। शुभ रंग= लाल शुभ अंक= 6 सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आएगा और किसी अच्छी पोस्ट पर आपका सिलेक्शन हो जाएगा। आज आप

जरूरी और महत्वपूर्ण कार्य निपटाने में सफल रहेंगे, जिससे काम का बोझ कम होगा। आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाए रखने की जरूरत है। आज आप मित्रों से मिलने उनके घर जा सकते हैं, आपकी दोस्ती और भी अधिक मजबूत होगी। आज आप किसी सामाजिक काम का हिस्सा बनेंगे, समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ रंग= सफेद शुभ अंक= 4 कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपकी साथ में बड़ोत्तरी होगी और अन्य साधनों से भी आर्थिक लाभ कमाने का अवसर मिलेगा। आज अपने विचारों को लेकर थोड़े जज्बाती भी हो सकते हैं, इसलिए आप अपनी भावनाओं को कंट्रोल में रखें। आज आपको लंबे समय बाद कॉलेज के किसी दोस्त से मिलने का मौका मिलेगा। आज किसी शादी-विवाह को लेकर बातें होंगी और जल्द ही आपके घर शहनाई बजेगी। शुभ रंग= हरा शुभ अंक= 4 वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आपके व्यावसायिक फैसले आपका दोगुना लाभ कराएंगे, दूसरे भी आपसे प्रभावित होंगे। आज ऑफिस में कलीग आपका पूरा सहयोग

आएगा। शुभ रंग= सिल्वर शुभ अंक= 7 तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा, आपको सीनियर के साथ बैक्टर कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी, आपकी अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। आज आप पूरे परिवार के साथ पिकनिक मनाने बाहर जा सकते हैं। शुभ रंग= पीला शुभ अंक= 9 धनु राशि- आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको उन सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, जिनके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज रोचक साहित्य को पढ़ने में भी कुछ समय व्यतीत करने से मानसिक सुकून और शक्ति रहेगी। इस राशि की महिलाएं गृहकार्य से निवृत्त होकर कुछ समय अपनी सहैलियों के साथ बिताएंगी। आज आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाकर एंजॉय करेंगे जहां कुछ नए दोस्त भी बनेंगे। शुभ रंग= मैरून

करेंगे, जिससे काम जल्दी और आसानी से पूरा हो जाएगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, आपको सीनियर के साथ बैक्टर कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी, आपकी अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। आज आप पूरे परिवार के साथ पिकनिक मनाने बाहर जा सकते हैं। शुभ रंग= पीला शुभ अंक= 9 धनु राशि- आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको उन सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, जिनके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज रोचक साहित्य को पढ़ने में भी कुछ समय व्यतीत करने से मानसिक सुकून और शक्ति रहेगी। इस राशि की महिलाएं गृहकार्य से निवृत्त होकर कुछ समय अपनी सहैलियों के साथ बिताएंगी। आज आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाकर एंजॉय करेंगे जहां कुछ नए दोस्त भी बनेंगे। शुभ रंग= मैरून

शुभ अंक= 1 मकर राशि-आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कारोबार से जुड़े अधिकतर कार्य करने में सफल रहेंगे और किसी तकनीक का सहारा भी ले सकते हैं। आज आपके रिश्ते पड़ोसी के साथ मधुर होंगे, आपका एक-दूसरे के घर आना-जाना होगा। आज काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरे हो जाएंगे, तरकी के नए रास्ते खुलेंगे। आज किसी भी नए कार्य की शुरुआत करने से पहले परिवारजनों से सलाह-मशविरा लेना उचित रहेगा। आज आप भविष्य की योजनाओं को लेकर थोड़ा उलझन में रहेंगे। शुभ रंग= नारंगी शुभ अंक= 6 कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको खास मित्र से महंगा उपहार मिलेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आप प्रकनाओं में बहकर किसी भी भावना का निर्णय लेने से बचें। आज आप फिजूलखर्ची से दूर रहें तथा उचित बजट बनाकर

चलें। आज आप किसी नए काम की शुरुआत के लिए उचित समय का इंतजार करें। कामकाज में आज नए तरीकों को अपनाने की कोशिश करें, फायदा जरूर मिलेगा। आज आपके साथ सब अच्छा होगा, इसलिए खुद पर विश्वास करके आगे बढ़ें। शुभ रंग= बैंगनी शुभ अंक= 7 मीन राशि-आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप किसी के साथ व्यर्थ बातें करने से बचें, इससे आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। आप सोचने में समय व्यर्थ न करें, अन्यथा आपके हाथ से महत्वपूर्ण डील निकल सकती है। आज आपका दायित्व जीवन मशरूता से भरा रहेगा। इस राशि के लवमेट आज लॉना ड्राइव पर जाने का मन बना सकते हैं, जिससे वे अच्छ समय बिता सकें। शुभ रंग= मैजेंटा शुभ अंक= 4

किसान की पुश्तैनी जमीन पर कब्जे का आरोप, धमकी और रसूख के दावे से गरमाया मामला

संवाददाता शुक्लागंज (उ्नाव)। उ्नाव के शुक्लागंज क्षेत्र से सटे कटरी पीपर गंभीर विवाद सामने आया है। एक किसान ने कुछ लोगों पर उसकी पुश्तैनी जमीन पर जबनर कब्जा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। किसान का दावा है कि उसके पास जमीन से संबंधित राजस्व एवं अन्य दस्तावेज मौजूद हैं और वह लंबे समय से इस जमीन पर अपने अधिकार का दावा करता चला आ रहा है। पीड़ित किसान का आरोप है कि दस्तावेजों के बावजूद कुछ प्रभावशाली लोग उसकी जमीन पर अपना अधिकार जताते हुए कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। किसान के मुताबिक, विरोध करने पर उसे कथित तौर पर डराया-धमकाया गया और यह दबाव बनाने की कोशिश की गई कि यदि जमीन स्वेच्छा से नहीं दी गई तो प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करारक उसे जमीन से बेदखल करा

दिया जाएगा। दस्तावेज होने के बावजूद किसान क्यों परेशान? किसान का कहना है कि यदि उसके पास जमीन के वैध दस्तावेज हैं और राजस्व अभिलेखों में उसका अधिकार दर्ज है, तो फिर उसे अपनी ही जमीन को लेकर इस तरह की परेशानी का सामना क्यों करना पड़ रहा है? यही सवाल इस पूरे मामले को गंभीर बनाता है। पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जमीन की राजस्व अभिलेखों के आधार पर जांच, मौके पर पैमाइश, सीमांकन और संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। किसान का कहना है कि जांच के बाद यदि उसके आरोप सही पाए जाते हैं तो जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास करने वालों तथा उसे धमकाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण का भी लगाया आरोप

मामले को और गंभीर बनाते हुए किसान ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद में शामिल बताए जा रहे लोगों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर पकड़ है। किसान का दावा है कि इसी प्रभाव का हवाला देकर उसे दबाव में लेने की कोशिश की गई। किसान ने कुछ राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों पर कथित तौर पर भूमाफिया तत्वों को संरक्षण देने अथवा उनके प्रभाव में काम करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि, त्तर हट्टइह इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। किसी व्यक्ति, अधिकारी या जनप्रतिनिधि पर लगाए गए आरोप जांच की विषय हैं। इसलिए पूरे मामले में संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आना और प्रशासनिक जांच होना बेहद जरूरी है। मामले में निष्पक्ष जांच ही खोलेगी पूरा सच जमीन से जुड़े विवादों में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका राजस्व अभिलेखों, खतौनी, गाटा संख्या, नक्शा, सीमांकन और मौके की

वास्तविक स्थिति की होती है। ऐसे में केवल आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि संबंधित राजस्व अधिकारी मौके पर जाकर जमीन की पैमाइश कराएं और उपलब्ध दस्तावेजों का रिकॉर्ड से मिलान करें। यदि किसान का दावा सही है तो उसके अधिकार की रक्षा होनी चाहिए और यदि किसी अन्य पक्ष का वैध दावा है तो वह भी राजस्व रिकॉर्ड एवं कानून के अनुसार स्पष्ट होना चाहिए। किसान का प्रशासन से सीधा सवाल पीड़ित किसान की सबसे बड़ी मांग यही है कि उसे न्याय मिले और उसकी जमीन को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट की जाए। किसान का कहना है कि वह किसी प्रभावशाली व्यक्ति से विवाद नहीं चाहता, बल्कि केवल अपने अधिकार की कानूनी पुष्टि चाहता है। उसका कहना है कि यदि जमीन उसकी है तो उसे किसी दबाव या भय के वातावरण में क्यों

रहना पड़े? वहीं, यदि सामने वाले पक्ष के पास जमीन पर वैध अधिकार से संबंधित दस्तावेज हैं तो उन्हें भी प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कर पूरे मामले का समाधान कराया जाना चाहिए। अब प्रशासन की भूमिका पर निगाहें इस पूरे विवाद में अब निगाहें स्थानीय प्रशासन और राजस्व विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं। क्या प्रशासन किसान की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मौके की पैमाइश कराएगा? क्या जमीन से जुड़े सभी राजस्व दस्तावेजों का सत्यापन होगा? क्या मौके पर कब्जे की वास्तविक स्थिति की जांच की जाएगी? क्या किसान को कथित रूप से धमकाने के आरोपों की भी जांच होगी? और सबसे बड़ा सवाल—क्या राजनीतिक अथवा प्रशासनिक संरक्षण के जो आरोप लगाए गए हैं, उनकी भी निष्पक्ष जांच होगी?

इन सवालों का जवाब जांच पूरी होने के बाद ही सामने आ सकेगा।

लेकिन यदि कोई किसान अपनी जमीन पर कब्जे, दबाव या धमकी की शिकायत लेकर प्रशासन के पास पहुंचता है, तो उसकी शिकायत की निष्पक्ष सुनवाई और समयबद्ध जांच प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है। जरूरत इस बात की है कि मामले को राजनीतिक प्रभाव, व्यक्तिगत दबाव अथवा आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर राजस्व रिकॉर्ड और कानून के आधार पर सुलझाया जाए। यदि किसान के दस्तावेज सही हैं तो उसके अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। वहीं यदि दूसरे पक्ष का दावा वैध है तो उसे भी कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से स्पष्ट किया जाना चाहिए। फिलहाल कटरी पीपर खेड़ा के इस जमीन विवाद में किसान द्वारा लगाए गए आरोपों ने कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और जांच के बाद वास्तविक स्थिति क्या सामने आती है।

अतवट गांव में बारिश का कहर, घरों में घुसा

पानी, लोन नदी का जलस्तर बढ़ने से जलभराव,

ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित

संवाददाता उ्नाव। पाटन तहसील के गाँव अतवट में बारिश और लोन नदी का जलस्तर बढ़ने से जलभराव की स्थिति गंभीर होती जा रही है। गांव के कई घरों में पानी घुस जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के चलते लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं, वहीं आवागमन भी प्रभावित हुआ है। घरों में पानी भरने से ग्रामीणों का दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।ग्रामीणों का कहना है कि अतवट गांव विधानसभा भगवंतनगर क्षेत्र में आता है। उनका आरोप है कि बड़े-बड़े समाजसेवी और जनप्रतिनिधि क्षेत्र में राखी बंधवाये, गाड़ियों का काफिला लेकर, कथा कराने, गंगा आरती कराने में सक्रिय नजर आते हैं,लेकिन इस मुश्किल घड़ी में प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अभी तक कोई ठोस पहल इनके द्वारा दिखाई नहीं दे रही है ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके पर पहुंचकर जलभराव से राहत दिलाने, पानी निकासी की व्यवस्था कराने और प्रभावित परिवारों को आवश्यक मदद उपलब्ध कराने की मांग की है।



सक्षित खबरें...

जनसार गांव में नाली और जलभराव की समस्या से ग्रामीण परेशान, ग्राम प्रधान ने अधिकारियों से लगाई गुहार



और बरसात के पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण गांव में जगह-जगह पानी भरने से ग्रामीणों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जनसार ग्राम पंचायत के प्रधान पवन कुमार शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर गांव की समस्या से अवगत कराया है। पत्र के मुताबिक, गांव में मझरा न्यायलेड़ा में मुशीगंज रोड से रामभवन डिग्री कॉलेज तक करीब 810 मीटर की नाली बरसात के पानी और जलभराव के चलते खराब हो गई है। ग्राम प्रधान का कहना है कि नाली की स्थिति काफी खराब होने के कारण जल निकासी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों को समस्या से निजात दिलाने के लिए नाली की मरम्मत और निर्माण कार्य कराए जाने की जरूरत है। ग्राम प्रधान ने पत्र के माध्यम से करीब 200 मीटर नाली निर्माण कराए जाने की मांग की है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दौरान पानी भरने से आवागमन में परेशानी होती है और जल्द से जल्द जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जानी चाहिए। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस समस्या को लेकर कब तक ठोस कदम उठाता है और ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से कब राहत मिलती है।

हादसे को दावत दे रहे टूटे पोल पर लगे विद्युत तार



होने के बाद विभाग ने नया पोल लगाया था, लेकिन इसके बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया। झूलते तारों से राहगीरों और स्थानीय लोगों में हादसे का डर बना हुआ है। इस मार्ग से ग्रामीणों के साथ गंगा तट जाने वाले श्रद्धालुओं का भी आवागमन होता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय कर्मचारी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। अधिशासी अभियंता रंजीत कुमार ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद अब तक तार नए पोल पर नहीं लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि तत्काल तार नए पोल पर लगाए जाएं और टूटे पोल को हटया जाए, ताकि संभावित हादसे को रोका जा सके।

फाल्ट पर जनता परेशान, लाइनमैन के कथित तेवर पर एक्सईएन की चेतावनी भी बेअसर

संवाददाता परियर (उ्नाव)। सफीपुर विद्युत उपकेंद्र के परियर फीडर में तैनात लाइनमैन विनीत पर शिकायतों के समय पर निस्तारण न करने और कथित अभद्र व्यवहार के आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि फाल्ट की सूचना देने पर उपभोक्ताओं से कथित तौर पर कहा जाता है कि +24 घंटे बाद ही काम होगा।- बताया गया कि एक्सईएन रंजीत कुमार के फोन करने के बाद भी लाइनमैन के कथित आक्रोशित होने का मामला सामने आया है। इससे पहले भी एक कथित ऑडियो वायरल हुआ था, जिस पर एक्सईएन ने सुधार की हिदायत देते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी थी। अब सवाल यह है कि दूसरे ऑडियो के बाद विभाग सिर्फ चेतावनी देगा या लाइनमैन के खिलाफ वास्तव में कार्रवाई भी होगी? स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी उ्नाव और विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले की जांच कराकर समयबद्ध कार्रवाई की मांग की है।

भारत को जानो’ परीक्षा में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

संवाददाता लखनऊ। भारत विकास परिषद के संस्थापिका मंजू सिंह के नेतृत्व में



उ्नाव में पटाखा दुकानों पर प्रशासन-पुलिस की संयुक्त छापेमारी से मचा हड़कंप



प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

अटल आवासीय विद्यालय की मण्डलीय अनुश्रवण समिति की बैठक में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं गुणवत्तायुक्त सुविधाओं पर विशेष जोर

ललितपुर। 30प्र0 भवन एवं अन्य सविर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं अनाथ बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा दिये जाने हेतु जनपद के ग्राम धौरा में स्थापित अटल आवासीय विद्यालय के प्रभावी संचालन के लिए आज सोमवार को मण्डलीय अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मण्डलायुक्त झांसी मण्डल, झांसी श्री बिमल कुमार दुबे ने वचुंअल माध्यम से प्रतिभाग किया, वहीं जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश सहित अन्य जनपद एवं मण्डल स्तरीय अधिकारियों ने विद्यालय से ही भौतिक रूप से उपस्थित होकर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और विद्यालय का निरीक्षण भी किया।

निर्देश दिये कि विद्यालय में अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा प्रत्येक छात्र/छात्रा एवं उनके अधिभावको से संवाद स्थापित किया जाए ताकि छात्र/छात्राओं की समस्याओं का प्रारम्भिक स्तर पर ही निदान किया जा सके। प्रबंधन समिति यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय में किसी भी प्रकार की रैगिंग, शारिरिक/मानसिक उत्पीड़न एवं अभद्र भाषा, गाली गलौज का प्रयोग न हो, छात्र-छात्राओं की नियमित रूप से काउंसलिंग की जाए, विद्यालय में पठन-पाठक, खेलकूद, व्यायाम सहित सयन व सुबह उठने के समय का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि विद्यालय में अनुशासन बना रहे। साथ ही बच्चों को पठन-पाठन के साथ नैतिक शिक्षा एवं महान विभूतियों की जीवन-गाथा/साहित्य को पढ़ने हेतु प्रेरित किया जाए उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि विद्यालय में किसी भी

अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश न दिया जाए। सी0सी0टी0वी0 कैमरो की नियमित निगरानी की जाये एवं कोई अनाधिकृत गतिविधि पायी जाती है तो उसकी रिकार्डिंग संरक्षित करते हुए उसकी जाँच करायी जाये और जाँच में यदि अनाधिकृत गतिविधियों की पुष्टि होती है तो तत्काल प्रभावी को सही विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि विद्यालय में प्रत्येक माह नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएँ। इन शिविरों में एलेोपैथिक चिकित्सकों के साथ-साथ आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सकों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यार्थियों के लिए डाइट चार्ट तैयार कराने, डाइटिशियन की सेवाएँ उपलब्ध कराने, आवश्यक पोषण

अनुपूरक (सप्लीमेंट) उपलब्ध कराने तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा भोजन की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण बैठक के साथ ही जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं उप श्रम आयुक्त किरण मिश्रा द्वारा मण्डलायुक्त के निर्देशानुसार विद्यालय की सभी व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के मैस में बच्चों के साथ स्वयं संध्याकालीन भोजन करके भोजन की गुणवत्ता को परखा और तेल मसालों सहित अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की गहन जांच की। तेल मसालों के सम्बंध में एक्पायरी तिथि को देखा गया, जो ठीक पायी गई, साथ ही भोजन की गुणवत्ता भी संतोषजनक मिली इस दौरान सम्बंधित स्टाफ व समिति की सदस्यों को निर्देशित किया गया

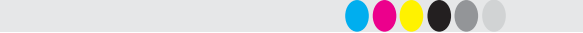
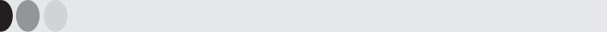
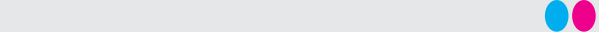
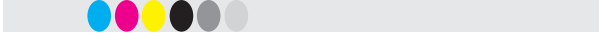
कच्चे धागों के पक्के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन कात्य गोष्ठी में रक्षाबंधन पर सुनाई गई कविताएं

महरौनी ललितपुर साहित्य भारती समिति की मासिक काव्य गोष्ठी पं0 सुखनंदन तिवारी की अध्यक्षता में मूरत सिंह मेमोरियल स्कूल में संपन्न हुई, सर्वप्रथम माँ सरस्वती जी चित्र के सामने पुष्प अर्पित एवं पूजा-अर्चना करते हुए सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी! अनिरुद्ध सिंह राठौर ने हिन्दी है अपनी आन और बान, हिन्दी भाषा राज रहे, रचना प्रस्तुत की गयी जिसे बहुत सराहा गया मस्जिद को तुम मत हाथी समझो -मुकुट बिहारी रिछारिया, इसी क्रम में हरदेव रावत ने मन ने मन को समझाया फिर भी दिल कमजोर किया, रचना प्रस्तुत की जिसे करतल ध्वनि से सराहा गया, कवि प्रभु दयाल पटेरिया ने गुरु महिमा पर विचार विमर्श किया गया, रामेश्वर प्रसाद सोनी ने पैसे फेंको तमाशा देखो रचना प्रस्तुत की, हल करन चंचल ने कहा खचां पूरे होए न हमारे नेक कमाई माँ कमर तोड़ महगाई माँ, पर तालियां बटोरी क्षमाधर प्रसाद क्षमा- ने रक्षाबंधन पर रचना प्रस्तुत की कि तीन रंग में सजी सरहद पर जाऊँगी,बंध सौनिक कलाई धर्म निभाऊंगी जिसे करताल ध्वनि से सराहा गया, राजेश कुमार तिवारी ने बुन्देलखंडी में कविता पाठ किया कार्यक्रम में शामिल रचनाकारो ने सामाजिक विकास अंश्विक्षास पाखंड पर कटाक्ष करते हुए रचनाओ से समा बांधा इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष महिपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में संचालक कैलाश नारायण सिसौदिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे !

भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आयोजित एवं मण्डल अध्यक्षों का हुआ स्वागत



ललितपुर भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आज जिला कार्यालय में आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने की एवं संचालन जिला मंत्री एवं कार्यक्रम सह संयोजक ध्रुव सिंह सिसौदिया ने किया जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने जानकारी दी कि आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए आज का बिषय गम्भीर है क्योंकि पार्टी अतः सौ प्रतिशत कार्यकर्ताओं को सक्रियता चाहती है उन्होंने कहा कि पार्टी के जिला पदाधिकारियों मण्डल पदाधिकारियों प्रवासी संयोजक सहसंयोजक सब को स्पष्ट निर्देश है कि जम कर कार्य करना है उन्होंने कहा कि मण्डल की प्रत्येक बैठक में उसकी सम्पूर्ण जानकारी प्रवासी द्वारा उच्च नेतृत्व को दी जायेगी इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उस क्षेत्र में रहने वाले हमें अपने बरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पुराने कार्यकर्ताओं से भी निरन्तर सम्पर्क रख कर उन की सहभागिता सुनिश्चित करानी है कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए जिला महामंत्री हरिराम सिंह लोधी एड ने बताया की आज की महत्वपूर्ण बैठक आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए बुलाई गई है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने एवं मन की बात कार्याक्रम की सौ प्रतिशत सफलता पर कार्यक्रम की शुरुआत में मण्डल अध्यक्षों का स्वागत किया गया और उनके कार्य की सराहना की गई। स्वागत किये जाने बाले मण्डल अध्यक्षों में भगतसिंह राठौर,शैलेंद्र सिंह बुंदेला,देवी सिंह बुंदेला कृपालु सिंह लोधी, दीपेन्द्र सिंह लोधी, रामगोपाल विश्वकर्मा,बुजेश सिंह लोधी एड, रामस्वरूप निरंजन नीरज पटेरिया रामगोपाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र तिवारी मुकेश पाल आदि उपस्थित रहे अन्त में कार्यक्रम जिला सह संयोजक रचिका बुन्देला ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, कार्यक्रम संयोजक व जिला महामंत्री हरिराम सिंह लोधी एड, रजनी अहिंरवार जिला कोषाध्यक्ष मनीष सड़ैया जिला अध्यक्ष अरविंद कौशिक मवेश श्रीवास्तव भैया रचिका बुन्देला रजनी घनश्याम साहू उमाशंकर भोंड़ले अवतार सिंह लोधी एड, रमेश कुमार कुशवाहा नड़ाई जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुरु जिला मंत्री दीपक पाराशर ध्रुव सिंह सिसौदियाक्षपूजा रैकवार प्रभूदयाल ड,मिहरवान सिंह पंडेल, सुनीता पंथ राशिरोखर पांडेय, मनविंद कौर आदि उपस्थित रहे।



ब्राह्मण विकास परिषद के सदस्य रहे स्व रामप्रताप पाण्डेय के ब्रह्मभोज में उमड़ा जनसैलाब, प्रबुद्ध जनों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता
घोसीमऊ।घोसी ब्लॉक के टड़ियांव गांव निवासी,वरिष्ठ पत्रकार व अधिवक्ता सतीश कुमार पाण्डेय के चाचा स्वर्गीय रामप्रताप पाण्डेय के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। परिजनों से मिलकर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, मीडियाकर्मियों, राजनेताओं और अधिवक्ताओं ने स्वर्गीय आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय रामप्रताप पाण्डेय विगत एक वर्ष से अस्वस्थ चल रहे थे और 19 अगस्त को 72 वर्ष की आयु में उनका देहावसान हो गया था।



श्रद्धांजलि अर्पित करने प्रमुख रूप से पहुंचे लोग

ब्राह्मण विकास परिषद के संरक्षक राम जी उपाध्याय

ब्राह्मण विकास परिषद मऊ के अध्यक्ष ऋषिकेश पांडे प्रणव

चतुर्वेदी ब्राह्मण विकास परिषद के मंत्री संजय त्रिपाठी,घोसी एसडीएम अशोक कुमार सिंह,अधिवक्ता संघ डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मऊ के अध्यक्ष दिनेश राय, किसान नेता व लोकदल के प्रदेश सचिव देवप्रकाश राय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजमंगल यादव, भासपा प्रदेश उपाध्यक्ष फागू सिंह, घोसी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुजीत सिंह, भाजपा नेता राघवेंद्र राय,वरिष्ठ अधिवक्ता ईश्वर चंद्र त्रिपाठी, अरविंद सिंह, दिनेश ओझा, कालिका दत्त पांडे, शमशाद, पूर्व अध्यक्ष तारिक ज़फर आजमी, रामबदन यादव, बृजेंद्र राय, पीसीए राय, अतुल यादव, अनिल कुमार मिश्र, वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता

प्रवीण राय ,घोसी तहसील बार एसोसिएशन वर्तमान मंत्री जय हिंद सिंह, उपाध्यक्ष विपुल राय, वीरेंद्र यादव, पूर्व मंत्री राजेश सोनकर, इंद्रसेन उपाध्याय, सुतीक्ष्ण मिश्रा, ब्रह्मदेव उपाध्याय, उमाशंकर उपाध्याय,वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश गुप्त, अशोक श्रीवास्तव,डॉक्टर अरुण मिश्रा, अशोक कुमार सिंह, उमाकांत त्रिपाठी, देवेंद्र कुशवाहा, बने खान, पवन उपाध्याय, वायुनंदन मिश्रा, रूपेंद्र भारती, सुदर्शन कुमार।

कार्यक्रम के अंत में सतीश कुमार पाण्डेय व उनके परिजनों ने आए हुए सभी गणमान्य अतिथियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं ने किया झंगहा थाने का भ्रमण, सुरक्षा के प्रति हुई जागरूक
गोरखपुर। झंगहा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जेपीएस सेंट्रल एकेडमी जंगल गौरी नंबर एक, झंगहा की इंटरमीडिएट की छात्राओं ने मंगलवार को झंगहा थाने का शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। थाना परिसर में थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिसकर्मियों ने छात्राओं से संवाद कर महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझाया। उन्होंने छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में बिना भय के पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सरकारी हेल्पलाइन एवं सहायता सेवाओं का उपयोग करने की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पुलिस अधिकारियों से सवाल पूछे और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यालय के प्रबंधक अभिजीत कुमार ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के आत्मविश्वास, सुरक्षा-बोध और सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने पुलिस विभाग के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर प्रबंधक अभिजीत कुमार के साथ शिक्षक विश्वजीत राय, विष्णु पाल, संगीता त्रिपाठी एवं सरिता राय मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्राओं को 'सुरक्षित समाज, सशक्त नारी' की भावना के साथ आगे बढ़ने और अन्य बालिकाओं को भी जागरूक करने का संदेश दिया गया।

सक्षिप्त खबरें...

बाल निकेतन के पास निर्माणाधीन आरओबी का डीएम ने किया औचक निरीक्षण



संवाददाता मऊ। बाल निकेतन के पास निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का मंगलवार को जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सेतु निगम के सहायक अभियंता ने बताया कि आरओबी का निर्माण कार्य फरवरी 2024 में शुरू हुआ था। परियोजना को जून 2027 तक पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा है। अधिकारी ने डीएम को भरोसा दिलाया कि निर्धारित अवधि में कार्य पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण परियोजना को यथासंभव जल्द पूरा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। निर्माण सामग्री और कार्य की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने के निर्देश भी दिए। डीएम ने आरओबी के किनारे बनी सर्विस लेन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सर्विस लेन को व्यवस्थित कर आवागमन योग्य बनाने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण के दौरान लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि परियोजना की नियमित निगरानी की जाए और निर्माण में आने वाली बाधाओं का तत्काल समाधान कराया जाए। यातायात व्यवस्था और आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य को निर्धारित समय से पहले पूरा कराने का प्रयास किया जाए।

सात साल की बच्ची की फरियाद पर डीएम ने लिया संज्ञान, सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज



सड़क को ठीक कराने की मांग को जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। डीएम के निर्देश के बाद नगर पालिका परिषद ने मौके पर पहुंचकर सड़क निर्माण से संबंधित भूमि की पैमाइश कराई और सड़क निर्माण के लिए एसीमेंट भी तैयार कर लिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर अब सड़क निर्माण के लिए नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करकर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। गौरतलब है कि जनसुनवाई के दौरान बच्चों सामरा नाज ने जिलाधिकारी के सामने अपने घर के पास कच्ची और खराब सड़क की समस्या रखते हुए उसे बनवाने की मांग की थी। बच्चों की फरियाद पर डीएम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने कहा कि जनसुनवाई में आने वाली प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। बच्चों और आम नागरिकों द्वारा उठाई गई। जनसमस्याओं का संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पेड़ों की डालियों की कटाई-छंटाई के कारण बुधवार को पांच घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी

स्कालर टाइम्स। संवाददाता मधुबन। विद्युत उपकेंद्र मधुबन रौजा से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए बुधवार को बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। 33 केवी विद्युत लाइन के आसपास पेड़ों की डालियों की कटाई-छंटाई के चलते सुबह 10 बजे से शाम तीन बजे तक पांच घंटे का शटडाउन लिया जाएगा। विद्युत विभाग के अनुसार इस दौरान मधुबन रौजा उपकेंद्र से जुड़े सभी

15 सितंबर को आजमगढ़ मंडल में लगेगी पेंशन अदालत

संवाददाता मऊ। केंद्र सरकार के पेंशनरों एवं फैमिली पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए भारतीय डाक विभाग की ओर से 15 सितंबर को आजमगढ़ मंडल में ‘पेंशन अदालत’ का आयोजन किया जाएगा। पेंशन अदालत मंगलवार को सुबह 10 बजे मंडलीय कार्यालय, प्रधान डाकघर परिसर, आजमगढ़ में आयोजित होगी। प्रवर अधीक्षक डाकघर आजमगढ़ मंडल बीके पांडेय ने बताया कि पेंशन अदालत में आजमगढ़ और मऊ जनपद के अंतर्गत आने वाले डाकघर पेंशनर एवं फैमिली पेंशनर अपनी पेंशन संबंधी शिकायतें और प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। पेंशनरों को अपना प्रतिवेदन 14 सितंबर तक स्वयं उपस्थित होकर अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रवर अधीक्षक डाकघर, आजमगढ़ मंडल,आजमगढ़ 276001 के पते पर भेजना होगा। लिफाफे पर मोटे अक्षरों में ‘पेंशन अदालत’ लिखना अनिवार्य होगा। प्रतिवेदन में पेंशनभोगी का नाम, पीपीओ संख्या, सेवानिवृत्ति का स्थान व तिथि, पेंशन प्राप्त करने का स्थान, पेंशन का प्रकार और शिकायत का स्पष्ट विवरण देना होगा। उत्तराधिकार से जुड़े पूर्णतः कानूनी मामलों तथा नीतिगत कारणों से लंबित मामलों पर पेंशन अदालत में विचार नहीं किया जाएगा। डाक विभाग ने मऊ और आजमगढ़ के पात्र पेंशनरों से अपील की है कि वे अपनी पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए पेंशन अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

कमलापुर में आमने-सामने टकराई दो बाइक, सड़क पर मची अफरा-तफरी

संवाददाता मधुबन। फतेहपुर इब्राहिमपट्टी मार्ग पर सोमवार देर शाम कमलापुर गांव के पास हुए सड़क हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में चार युवक घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर मंडाव पहुंचाया। बताया गया कि सोमवार शाम करीब सात बजे दो बाइक आमने-सामने से आ रही थीं। कमलापुर गांव के समीप दोनों की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में फतेहपुर मंडाव निवासी जोखन (24) पुत्र छोटक, लालू (19) पुत्र विक्रम, शिव (22) पुत्र प्रेमचंद और अंगद (24) पुत्र जगेश्वर घायल हो गए। हादसा देख आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने घायलों को सड़क से उठकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। सीएचसी फतेहपुर मंडाव में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जोखन की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। दुर्घटना के बाद कुछ देर तक मार्ग पर लोगों की भीड़ जुटी रही।

पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती कक्षा 10 के छात्र की मौत, इलाज में लापरवाही का आरोप

संवाददाता मधुबन। रामपुर थाना क्षेत्र के फतहपुर मंडाव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती कराए गए कक्षा 10 के छात्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। छात्र की मौत के बाद परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा किया। सीएचसी अधीक्षक के समझाने के बाद परिजन शांत हुए और बिना पोस्टमार्टम कराए शव लेकर घर चले गए। लधुआई गांव निवासी अब्दुल अली (18) पुत्र नूर आलम कक्षा 10 का छात्र था। परिजनों के मुताबिक मंगलवार सुबह अचानक पेट में तेज दर्द होने पर उसे करीब 9 बजकर 30 मिनट पर सीएचसी फतहपुर मंडाव में भर्ती कराया गया। परिजनों का कहना है कि भर्ती के बाद उसका उपचार शुरू हुआ, लेकिन करीब 11 बजे के करीब उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा करते हुए चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। उनका आरोप था कि चिकित्सक करीब आधे घंटे की देरी से अस्पताल पहुंचे। इस दौरान अग्नेटिस कर रहे बच्चों द्वारा मरीज का उपचार किए जाने की बात भी परिजनों ने कही। इसे लेकर परिजनों ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना पर अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। सीएचसी अधीक्षक डा. राजीव कुमार पांडेय ने मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही। काफी समझाने के बाद परिजन शांत हुए, लेकिन बाद में उन्होंने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ घर ले गए।

दूसरे चरण का एफएलएन प्रशिक्षण समाप्त, अगला चरण गुरुवार से

महसी,फखरपुर, बहराइच। ब्लॉक संसाधन केंद्र गजाघरपुर पर चल रही बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रशिक्षण का द्वितीय चरण मंगलवार को समाप्त हो गया। सन्दर्भदाता प्रदीप तिवारी ने बताया कि तीसरे चरण का प्रशिक्षण गुरुवार से शुरू होगा। संदर्भदाताओं ने हिंदी की पुस्तक वीणा तथा

श्रम बंधु की बैठक में श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के निर्देश



संवाददाता मऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी विवेक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मंगलवार को श्रम बंधु की एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं के साथ श्रम विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सीडीओ ने योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और

पात्र श्रमिकों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सूर्यदेव पांडेय ने श्रमिकों के लिए लेबर अड्डा बनाए जाने की मांग उठाई। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि मुंशीपुरा ओवरब्रिज के पास लेबर अड्डे के लिए भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। यहां श्रमिकों के बैठने, पेयजल सहित अन्य आवश्यक

सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। श्रमिकों को महंगाई भत्ते और न्यूनतम मजदूरी की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग पर सीडीओ ने सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिया कि इसकी जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से भी प्रकाशित कराई जाए, ताकि श्रमिकों और आमजन को समय से जानकारी मिल सके।

बैठक में बिजली विभाग के सविदा कर्मियों को साप्ताहिक अवकाश नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया गया। सीडीओ ने अधिशासी अभियंता विद्युत को अवकाश चार्ट जारी कर सविदा कर्मियों को नियमानुसार साप्ताहिक अवकाश देने के निर्देश दिए। सीडीओ ने श्रमिकों के अधिक से अधिक पंजीकरण के लिए विकासखंडवार कैंप लगाने को

कहा। वहीं अधिष्ठान पंजीयन की स्थिति खराब मिलने पर नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्थाओं से संपर्क कर अधिक से अधिक अधिष्ठानों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कन्या विवाह सहायता अनुदान, मातृत्व शिशु हित लाभ और संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के प्रति ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा, ताकि पात्र श्रमिक योजनाओं का लाभ उठा सकें। बैठक में उपायुक्त उद्योग, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग व सिंचाई विभाग, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, संतोष सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को लेकर जेन जी कनेक्ट यात्रा पहुंची घोसी



संवाददाता मधुबन। जस्टिस मोर्चा की जेन जी कनेक्ट यात्रा मंगलवार को 13वें दिन मधुबन से आगे बढ़ते हुए दुबारी और गाजियापुर क्षेत्र के इंटर कॉलेजों व डिग्री कॉलेजों में पहुंची। यहां यात्रा में शामिल

सदस्यों ने विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। विद्यार्थियों को यात्रा के उद्देश्यों और संगठन की 10 सूत्रीय मांगों से संबंधित पच्चे की वितरित किए गए। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षा

व्यवस्था और रोजगार के संकट से जुड़ी समस्याएं उठाईं। जस्टिस मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि प्रदेश का युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित है, लेकिन उसकी समस्याओं पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जेन जी कनेक्ट यात्रा का उद्देश्य युवाओं की आवाज को एकजुट कर उसे व्यापक आंदोलन का रूप देना है। इसके बाद यात्रा सिपाह बाजार और चौथी मिल में नुक़ड़ सभाएं करते हुए घोसी पहुंची। सभाओं में स्थानीय युवाओं और नागरिकों से सरकारी स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की गई। यात्रा के दौरान सदस्यों ने रास्ते में पड़ने वाले जर्जर सरकारी स्कूलों और बदहाल स्वास्थ्य केंद्रों का जायजा भी

लिया। मोर्चा के सदस्यों ने सरकारी संस्थानों की बदहाली को प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए कहा कि इसका सीधा असर बच्चों की शिक्षा और आम लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं पर पड़ रहा है। संगठन ने चिन्हित सरकारी स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए 2 अक्तूबर तक का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी कि निर्धारित समय तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो मऊ में बड़े आंदोलन की शुरुआत की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब मांगा जाएगा। यात्रा में जय मोर्चा, बृजेश साहनी, महक, विवेक, जियेश, रजत, सुमन आनंद और शशि भूषण समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश



संवाददाता घोसी। तहसील सभागार में एसडीएम अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को राजस्व विभाग की एक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिसमें नायब तहसीलदार अमरनाथ यादव सहित

कानूनगो और लेखपाल शामिल रहे। बैठक में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, लंबित पैमाइश मामलों और जनशिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई। एसडीएम ने स्वामित्व योजना के तहत धरोनी वितरण और

किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्राथमिकता के आधार पर समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जमीनों के अंश निर्धारण और रोवर तकनीक से होने वाली पैमाइश के लंबित मामलों को पारदर्शी तरीके से जल्द निस्तारित करने को कहा। उन्होंने डिजिटल क्रांप सर्वे और एग्रीस्टेक से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इन कार्यों में किसी तरह की शिथिलता से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। वहीं आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि फरियादियों को बार-बार तहसील के चक्कर न

लगाने पड़ें। बैठक में दुर्घटनाग्रस्त किसानों और उनके आश्रितों को संबंधित योजनाओं का लाभ समय से दिलाने के लिए लंबित फाइलों का तत्काल सत्यापन कर निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम अशोक कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि राजस्व कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कानूनगो और लेखपाल अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर शासन की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कराएं। इस अवसर पर एआरके सुधाकर, कानूनगो मतीन खान, राजेश, परशुराम तथा लेखपाल अरविन्द पाण्डेय, सौरभ राय, विवेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

सीतापुर खैराबाद में कीटनाशक पीने से युवक की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ा, परिजन बोले- सुसाइड के कारणों का पता नहीं

सीतापुर के खैराबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 8 बजे एक युवक ने सदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर रखा कीटनाशक पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पटना की सूचना मिलने पर

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिंग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।



सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते : दिव्या दत्ता

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएनएस को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, %%हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।%% दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, %%मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।



धुरंधर की सफलता के बाद अब बादशाह की सवारी करेंगी सौम्या टंडन, शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म %धुरंधर- द रिवेंज% को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, «पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास।» अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, «घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खुबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।» सौम्या ने लिखा, «पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम 'बादशाह' है।» सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताया हुए लिखा।

नेत्र रोग विशेषज्ञ के पेशे में उज्ज्वल भविष्य



यदि किसी विद्यार्थी में चिकित्सा क्षेत्र के प्रति रुचि और धैर्य है, तो नेत्र रोग विशेषज्ञ बनकर वह समाज सेवा के साथ-साथ एक सफल और सम्मानजनक कैरियर बना सकता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ बनने के बाद रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं। वे सरकारी अस्पतालों, निजी अस्पतालों, नेत्र चिकित्सा केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा अपना क्लिनिक

या अस्पताल भी शुरू कर सकते हैं। मानव शरीर में आंखें सबसे महत्वपूर्ण इंद्रियों में से एक हैं। आंखों के माध्यम से ही हम इस सुंदर संसार को देख पाते हैं। यानी जगत की सुंदरता को हम तक पहुंचाने और उससे खुशी हासिल करने में हमारी आंखें ही माध्यम बनती हैं। इसलिए आंखों की देखभाल अत्यंत आवश्यक होती है। आंखों से जुड़ी बीमारियों के

उपचार और दृष्टि सुधार के लिए प्रशिक्षित चिकित्सक को नेत्र रोग विशेषज्ञ (ऑर्थोलमोलॉजिस्ट) कहा जाता है। यह ऐसा पेशा है जिसमें समाज सेवा के साथ-साथ एक उज्ज्वल और सम्मानजनक कैरियर भी प्राप्त किया जा सकता है। आजकल ऐसे नेत्र चिकित्सकों की कमी नहीं है जो नेत्र दान जैसे पानव संकल्प को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

नेत्र रोग विशेषज्ञ बनने के लिए सबसे पहले विद्यार्थी को 12वीं कक्षा विज्ञान वर्ग (भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान) से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) पास करके एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना होता है। एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद नेत्र रोग के इलाज में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए एमडी (ऑर्थोलमोलॉजी) या एमएस ऑर्थोलमोलॉजी किया जाता है। कुछ छात्र डिप्लोमा इन ऑर्थोलमोलॉजी का कोर्स भी करते हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ बनने की पूरी प्रक्रिया में लगभग 8 से 10 वर्ष का समय लग सकता है। बीमारियों की जटिलता को देखते हुए, आज का समय विशेषज्ञता का है, अतः नेत्र रोग विशेषज्ञ बनने हेतु एमएस या फिर एमडी करना अनिवार्य हो जाता है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम की अवधि लगभग 5.5 वर्ष है (जिसमें एक वर्ष की इंटरशिप शामिल होती है)। इसके बाद एमडी या एमएस (नेत्र रोग) की अवधि लगभग 3 वर्ष होती है। कुछ चिकित्सक आगे चलकर



सिर्फ विलेन बनकर नहीं, गंभीर और भावात्मक किरदार निभाकर प्रकाश राज को मिली पहचान, कभी पैदल काम के लिए भटकते थे अभिनेता

आली रे आली, आता तुमची बारी आली% यह डॉयलाग सुनते ही जयकांत शिखरे का खूंखार चेहरा सामने आता है, जिसका किरदार प्रकाश राज ने सिंघम में निभाया था। इस फिल्म में अपने किरदार को इम्प्रोवाइज करने के लिए अभिनेता ने हाथ हिलाकर अपने गुस्से को जाहिर कर बाँड़ी लैंग्वेज को बदल लिया था, जबकि वो सीन का हिस्सा भी नहीं था। उनकी इसी लगन की वजह से प्रकाश राज को न सिर्फ हिंदी, बल्कि दक्षिण सिनेमा का बड़ा विलेन कहा जाता है। 26 मार्च को जन्मे प्रकाश राज का असली नाम प्रकाश राय है। हालांकि, फिल्मों में आने के बाद डायरेक्टर की सलाह के बाद उन्होंने राय को राज कर लिया था, और यही नाम उनकी असली पहचान बन गया। अभिनेता के लिए करियर की शुरुआत करना भी आसान नहीं था। प्रकाश फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते, यही कारण रहा है कि पहले काम की तलाश में वे पैदल एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो चक्कर लगाते थे। फिल्मों और सीरियल में आने से पहले प्रकाश थिएटर कलाकार थे। थिएटर में काम करके वह प्रति माह 300 रुपए कमाते थे। हालांकि, थिएटर के बाद अभिनेता को धीरे-धीरे दक्षिण भारतीय भाषाओं में सीरियल मिलने लगे। कन्नड़ भाषी होने के बाद भी अभिनेता ने मलयालम, तेलुगू और तमिल भाषाओं में काम किया। भले ही शुरुआती दिनों में उन्हें भाषाओं को लेकर कठिनाई झेलनी पड़ी, लेकिन उन्होंने सभी भाषाओं को बारीकी से सीखा और आज खुद सभी भाषाओं की डबिंग करते हैं। प्रकाश राज को तमिल सिनेमा में ब्रेक %इयुएट% से मिला। इस फिल्म में पहले से ही बड़े चेहरे मौजूद थे

कैरियर ग्रोथ की दिशा में प्रेरणादायी पुस्तकों की भूमिका



जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए मोटीवेशन की बड़ी भूमिका है।

कैरियर ग्रोथ के लिए दिशा देने और उसे व्यवहार में उतारने के लिए

प्रोत्साहन जरूरी होता है। इसके लिए हम मैगजीन, किताबें, लेख, ब्लॉग

पढ़ते हैं। किसी नौकरी चाहने वाले व्यक्ति के जीवन में कैरियर साहित्य कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है, जिन्हें समझना जरूरी है। कैरियर लिटेचर यानी कैरियर के लिए प्रोत्साहित करने वाली किताबें, लेख, ब्लॉग, बायोग्राफी गाइड्स आदि का क्या वास्तव में हमारी कैरियर ग्रोथ में कोई रोल होता है या फिर यह एक मनोविज्ञानभर है? इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क देने वाले बहुत लोग मिल जाएंगे। मगर हकीकत ये है कि कैरियर लिटेचर न तो कोई चमत्कार है कि उसे पढ़ते ही आपका कैरियर चमक जायेगा और न ही कोरा भ्रम है कि उससे कुछ होगा ही नहीं। वास्तव में कैरियर लिटेचर हमारे प्रोफेशनल जीवन में कई तरह की महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है, अगर हम उसकी इन भूमिकाओं के महत्व

को समझ लें, तो जान सकते हैं कि वो हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। जानिये आखिर किसी नौकरी चाहने वाले व्यक्ति के जीवन में कैरियर लिटेचर का क्या महत्व होता है? ईमानदारी से मेहनत तो बहुत लोग करते हैं लेकिन उनमें हरेक के पास अपने कैरियर को लेकर कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। कैरियर लिटेचर हमें यह दिशा देने की कोशिश करता है। कैरियर लिटेचर के जरिये हम इस बात को समझते हैं कि अपने मौजूदा दौर के मुताबिक वह कौन सी स्किल हो सकती है, जो हमारे कैरियर को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए या उन दिनों किस इंडस्ट्री में क्या चल रहा है और आगे बढ़ने के लिए हमारे पास कैरियर का कौन का गुरु मंत्र होना जरूरी होता है। विशेषकर आपकी इच्छित इंडस्ट्री के संदर्भ में।

कैरियर लिटेचर से हमें यह भी पता चलता है कि कोई शख्स आखिर किस-किस तरह की गलतियां कर सकता है और इन गलतियों से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए? इस तरह देखें तो कैरियर लिटेचर हमें न केवल दिशा देता है बल्कि हमारी सोच बदलता है और हमारे कई तरह के भ्रमों को भी खत्म करता है। इसलिए यह मानना सही नहीं होगा कि कैरियर लिटेचर महज एक भ्रम है। कैरियर लिटेचर की सबसे बड़ी भूमिका होती है कि वह हमारे माइंड सेट यानी हमारी सोच को बदल सकता है। 'मैं ऐसा नहीं कर सकता' से वह हमें 'इसे सीखकर मैं भी कर सकता हूँ' के माइंड सेट तक ले जाता है। यह बदलाव साधारण नहीं है। बदलाव की इस सोच की बदौलत हम असफलता से बच जाते हैं, तो

कहना ये चाहिए कि कैरियर लिटेचर सिर्फ हमें जानकारी नहीं देता, हमारी सोच की ट्रेनिंग भी करता है। कैरियर लिटेचर इस मायने में भी बहुत महत्वपूर्ण है कि यह हमें छोटे-छोटे एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मसलन, रोज एक घंटा स्किल सीखना एक ऐसी प्रेरणा है कि अगर हम इसे एक महीने तक बरकरार रख पाएं, तो वास्तव में हम किसी स्किल को अच्छी तरह से सीख लेते हैं। वहीं कैरियर लिटेचर ही हमें नेटवर्किंग शुरू करने की काबिलियत देता है और हमारा रिज्यूमे किस तरह अट्रैक्टिव या आकर्षक बने, इसकी भी समझ कैरियर लिटेचर से ही आती है। इन सभी चीजों का सचमुच हमारे कैरियर ग्रोथ से लेना-देना होता है। क्योंकि कैरियर में बदलाव सचमुच यहीं से आता है। इसलिए यह

मान लेना सच नहीं होगा कि कैरियर सिर्फ एक साइकोलॉजी है। यह बात सही है कि मनोविज्ञान इसमें बड़ी भूमिका निभाता है, लेकिन यह सिर्फ साइकोलॉजी भर नहीं होता। कैरियर लिटेचर हमारे कैरियर में कई जगह महत्वपूर्ण होता है, जहां हम इस संबंध में इससे पढ़े गये विचारों और सीखों को सचमुच की अपनी जिंदगी में लागू करते हैं। क्योंकि कैरियर लिटेचर का कटेंट व्यावहारिक और वास्तविक होता है। यह अनुभवों के निष्कर्ष के जरिये सामने आता है। लेकिन यह भी सही है कि केवल पढ़भर लेने से हम कैरियर में सफल नहीं हो सकते। क्योंकि इस्टेट सबसेस वाली जितनी बातें कैरियर लिटेचर में पढ़ने को मिलती हैं, वो उसी तरह व्यवहारिक जीवन में खरी नहीं उतरती।